खोई व्हेल - हम्फ्री

एक सच्ची कहानी

वेंडी टोकुडा और रिचर्ड हॉल

चित्र: हनाको वाकियामा

खोई व्हेल - हम्फ्री

एक सच्ची कहानी

वेंडी टोकुडा और रिचर्ड हॉल

चित्र: हनाको वाकियामा

हमारी कहानी समुद्र में दूर धूप वाले दिन से शुरू होती है. हंपबैक व्हेल का एक झुंड, सर्दियां आने से पहले एक साथ दक्षिण की ओर यात्रा कर रहा था.

हंपबैक व्हेल शानदार जीव होती हैं जो पानी के नीचे एक-दूसरे के लिए सुंदर गीत गाती हैं. पूरी दुनिया में अब बहुत कम ही हंपबैक व्हेल बची हैं, इसलिए उनमें से हरेक काफी खास होती है.

और हंपबैक व्हेल बुद्धिमान होती हैं. हर सर्दियों में वे दक्षिण की ओर यात्रा करती हैं, हर गर्मियों में वे उत्तर की ओर जाती हैं, और उन्हें हमेशा अपना रास्ता पता होता है.
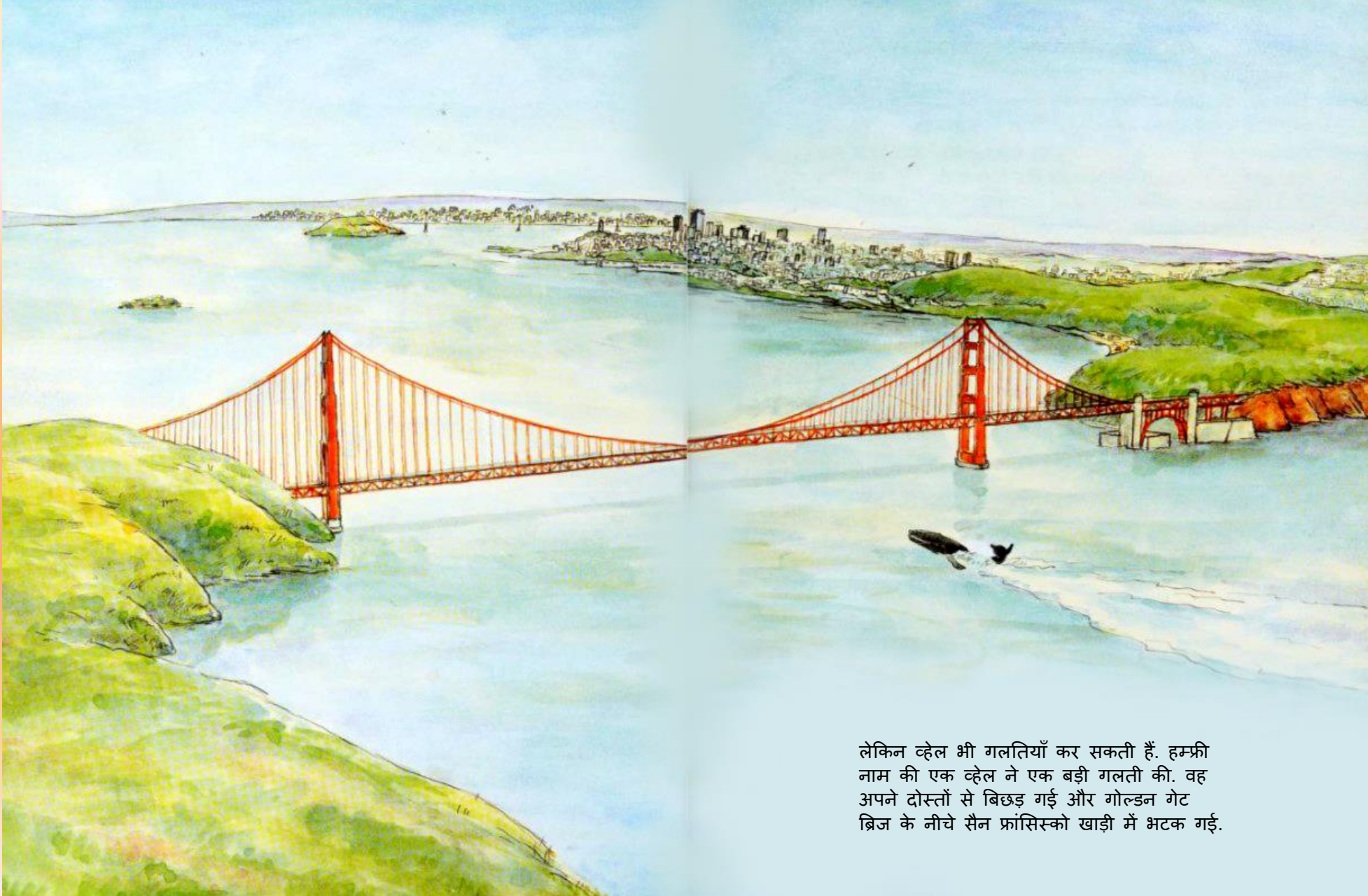
लेकिन व्हेल भी गलतियाँ कर सकती हैं. हम्फ्री नाम की एक व्हेल ने एक बड़ी गलती की. वह अपने दोस्तों से बिछड़ गई और गोल्डन गेट ब्रिज के नीचे सैन फ्रांसिस्को खाड़ी में भटक गई.

खाड़ी में हम्फ्री को देखकर हर कोई हैरान था! लोगों को हंपबैक व्हेल बहुत बार देखने को नहीं मिलती थीं क्योंकि वे आमतौर पर बहुत गहरे पानी में रहती थीं. सैन फ्रांसिस्को शहर के इतनी करीबी से एक हंपबैक व्हेल को देखना लोगों के लिए वाकई में एक विशेष अनुभव था.

हम्फ्री को देखना एक शानदार नज़ारा था - वो एक शहर की एक बस जितनी लंबी और सात हाथियों जितनी बड़ी थी. जब वह सांस लेने के लिए ऊपर आती तो लोगों को वो दृश्य एक जादू जैसा दिखता और फिर लोग अपना सब काम छोड़कर उसे निहारते थे.
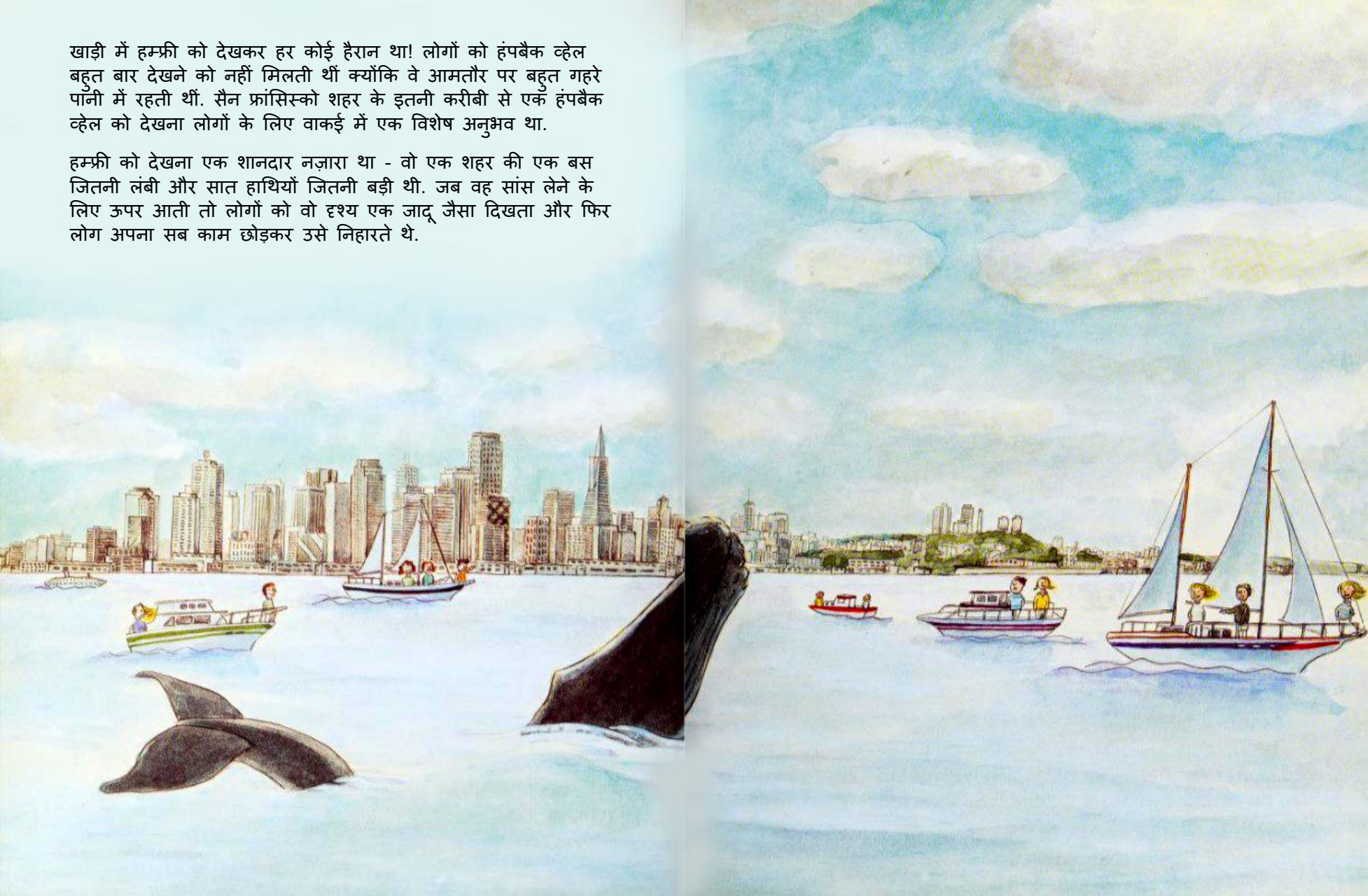
फिर हम्फ्री ने कुछ ऐसा किया जो किसी व्हेल ने कभी नहीं किया था. वापस समुद्र में तैरने के बजाय, वह सैक्रामेंटो नदी में उल्टी तैरने लगी.

जैसे-जैसे हम्फ्री नदी में ऊपर की ओर बढ़ती गई, वैसे-वैसे बड़ी नदी सकरी होती गई.

असल में वो समुद्र की तलाश कर रही थी, लेकिन यह एकदम साफ़ था कि हम्फ्री खो गई थी.

हम्फ्री को नदी में देखने के लिए सैकड़ों लोग आए. वे पानी को घूरते रहे. वे उसके सांस लेने के लिए ऊपर आने का इंतज़ार करते थे. फिर एक बड़ी फुफकार के साथ उसकी विशाल पीठ दिखाई देती थी. तब हर कोई चिल्लाता, "वह वहाँ है!" वह एक अद्भुत नज़ारा था.

लेकिन कुछ जबरदस्त गड़बड़ थी. व्हेल को समुद्र के खारे पानी में रहना चाहिए, नदियों के ताजे पानी में नहीं. अगर व्हेल बहुत देर तक ताजे पानी में रही तो वह मर जाएगी.

हम्फ्री बड़ी मुश्किल में थी.

हर कोई जानता था कि हम्फ्री को वापस समुद्र की ओर लौटना होगा, लेकिन कोई नहीं जानता था कि वो काम कैसे किया जाए. क्योंकि लोगों को उसका पहले से कोई अनुभव न था.

हम्फ्री जितनी आगे बढ़ती गई, सभी लोग उतने ही चिंतित होते गए... वे आश्चर्य कर रहे थे कि क्या उसे खाने को कुछ मिल भी रहा था... क्या वह बीमार हो रही थी... या क्या वह नदी में डूब जाएगी? एक दिन हम्फ्री एक छोटे से पुल के नीचे घुस गई. पुल इतना छोटा था कि कोई नहीं समझ पाया कि हम्फ्री ने वो कैसे पार किया. अब हम्फ्री वास्तव में मुश्किल में थी. वह बुरी तरह फंस गई थी.

पुल के पार नदी बहुत उथली और संकरी थी. नदी इतनी छोटी थी कि हम्फ्री मुश्किल से ही उसमें घूम सकती थी. वहाँ एक विशाल व्हेल, एक खेत के बीच में एक छोटी सी धारा में फंसी हुई थी. इस बात पर विश्वास करना मुश्किल था.

उसे वहाँ से जल्दी से जल्दी निकालने के लिए कुछ करना ज़रूरी था. हम्फ्री बीमार लग रही थी. वैज्ञानिकों को पता था कि अगर वह वापस समुद्र में नहीं गई तो वह जल्द ही मर जाएगी. समय तेज़ी से बीत रहा था.

हम्फ्री को बचाने की कोशिश कर रहे लोगों को तेजी से आगे बढ़ना होगा. वैज्ञानिक, तट-रक्षक अधिकारी और कई अन्य लोग उसे बचाने की योजना बनाने के लिए एक साथ आए. उन्होंने पानी के नीचे लंबे पाइपों को आपस में टकराकर, उनकी आवाज़ से उसे डराकर नदी में वापस ले जाने का फैसला किया.
साथ ही, उन्होंने एक रिकॉर्डिंग भी चलाई जिसने पानी के नीचे व्हेल के खाने की आवाज़ प्रसारित की. शायद हम्फ्री इतनी भूखी और अकेली हो कि वह उस आवाज़ की ओर तैरने लगे.
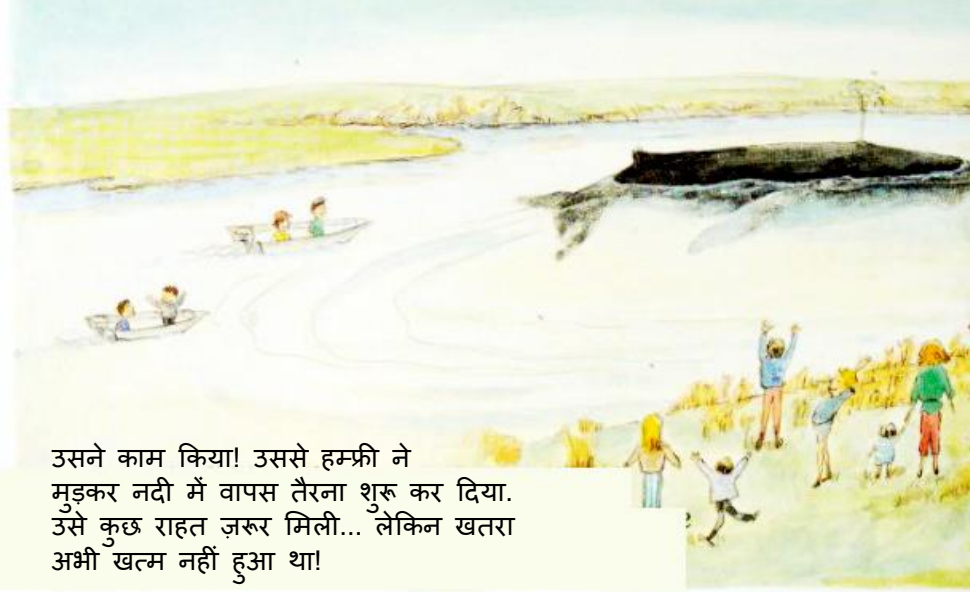
उसने काम किया! उससे हम्फ्री ने
मुड़कर नदी में वापस तैरना शुरू कर दिया.
उसे कुछ राहत ज़रूर मिली... लेकिन खतरा
अभी खत्म नहीं हुआ था!

लोग पाइपों को पीटते रहे. हम्फ्री घबराई
हुई लग रही थी. अब वह क्या करेगी?
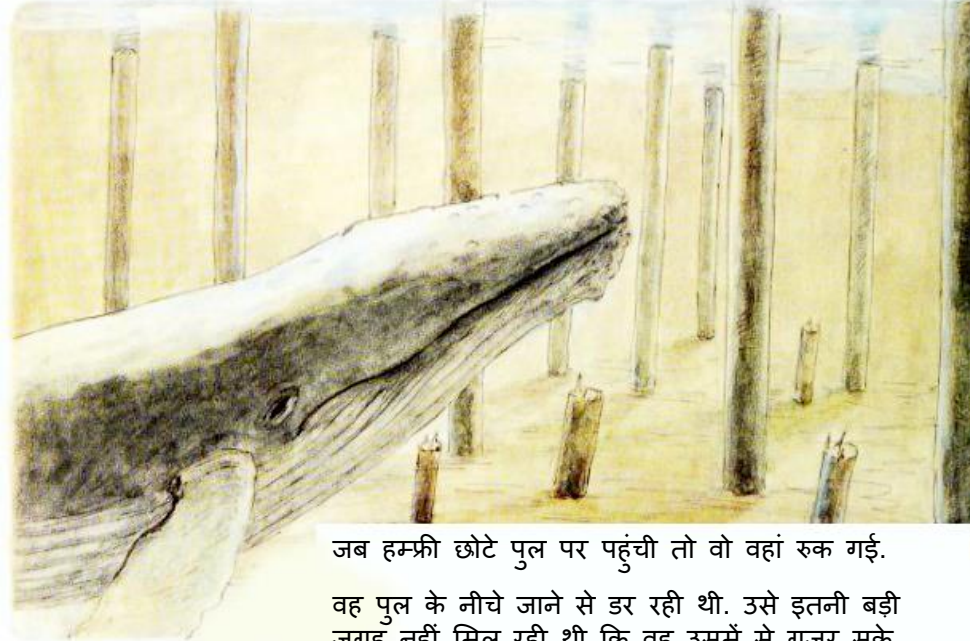
जब हम्फ्री छोटे पुल पर पहुंची तो वो वहां रुक गई.

वह पुल के नीचे जाने से डर रही थी. उसे इतनी बड़ी
जगह नहीं मिल रही थी कि वह उसमें से गुज़र सके.

जब पाइप बजते रहे, तो हम्फ्री गुस्सा हो गई! वह इधर-उधर लुढ़की और
उसने अपनी बड़ी पूंछ हिलाई. फिर लोगों ने पाइपों को पीटना बंद कर दिया.

लेकिन हम्फ्री के दोस्तों ने हार नहीं मानी. वे जानते थे कि उन्हें उसे उस छोटे से पुल को पार करना ही होगा. अगर वे ऐसा नहीं करेगी, तो वह नदी में मर जाएगी.

हम्फ्री को बचाने की कोशिश कर रहे लोगों ने पुल के नीचे की जगह को बड़ा करने का फैसला किया. उन्होंने एक बड़ी क्रेन मंगवाई और रात भर काम करके पुराने मलबे को हटाया.

क्या हम्फ्री को फर्क महसूस हुआ?

अगले दिन, लोगों ने पाइपों को फिर से आपस में पीटना शुरू किया. खट-खट! खट-खट! नावें, हम्फ्री के करीब आ गईं ताकि उसे पुल की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित कर सकें.

क्योंकि यह आखिरी मौका था. हर कोई घबराया हुआ दिख रहा था.
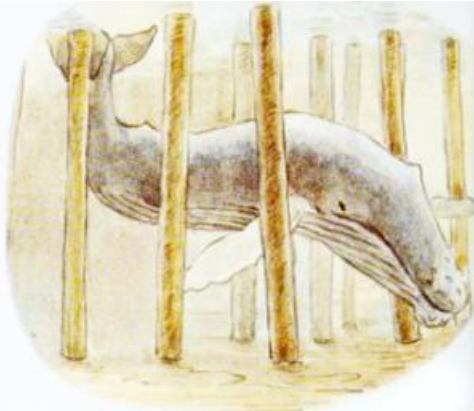
हम्फ्री बहादुरी से पुल के पास पहुंची. लेकिन जैसे ही उसने इसके नीचे तैरने की कोशिश की, उसका सिर पुल खंभों के बीच फंस गया. उसने खुद को छुड़ाने के लिए अपने सिर को ऊपर-नीचे हिलाया और अपनी पूंछ को जोर-जोर से हिलाया.

वो सबके लिए एक भयानक क्षण था. हम्फ्री को बचाने की कोशिश कर रहे लोगों को लगा कि वो शायद उसका अंत हो. हम्फ्री फंस गई थी.

लेकिन अचानक हम्फ्री ने अपना एक मीन-पंख पानी से बाहर निकाला, जो लगभग पुल को छू रहा था. जैसे ही उसने अपने शरीर को घुमाया, वह मलबे से मुक्त हो गई और पुल के दूसरी तरफ तैर गई.

नदी के किनारे से लोगों की चिल्लाहट आई. फिर हर कोई उसकी जय-जयकार करने लगा. "हम्फ्री के लिए हुर्रे!" लोग चिल्लाए. उनका अभियान सफल हो गया था! खोई हुई व्हेल हम्फ्री आखिरकार अपने घर के रास्ते पर था.

नावों के एक पूरे बेड़े और उसके पीछे पाइपों की खनक ने हम्फ्री को नदी के नीचे अपना रास्ता खोजने में मदद की थी. आखिरकार, हम्फ्री सैन फ्रांसिस्को खाड़ी में पहुँची.

हम्फ्री ने खाड़ी के चारों ओर खुशी से तैरते हुए एक पूरा दिन बिताया. उसने किनारे पर इकट्ठा हुए लोगों को कुछ करतब दिखाए ताकि लोग उसे आखिरी बार देख सकें. जब उसने अपनी पूंछ थपथपाई तो लोगों ने वाह-वाह की. जब वह हवा में उछली और पेट के बल पानी में वापस गिरी तो लोगों ने वाह-वाह की.
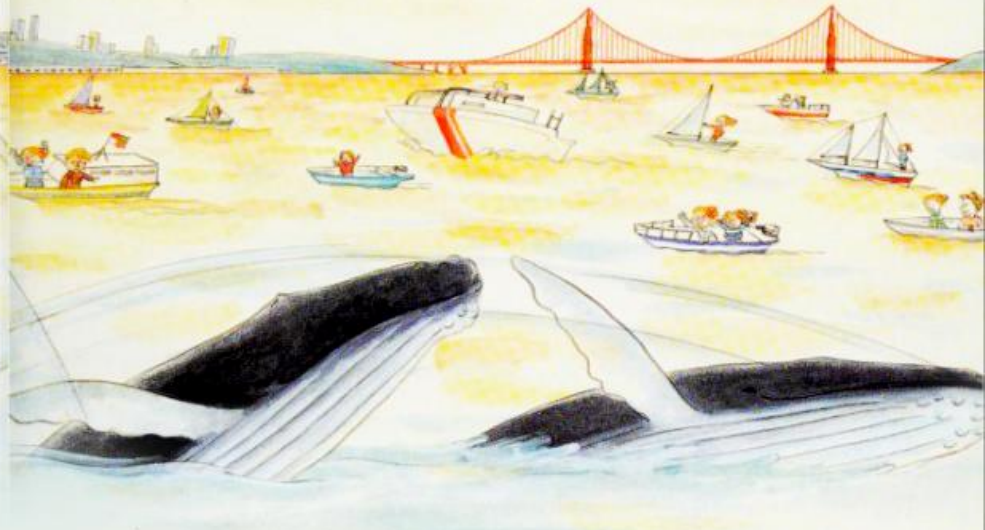
हम्फ्री अपने उन सभी दोस्तों से अलविदा और धन्यवाद कहा जिन्होंने उसकी जान बचाने में मदद की थी.

जिन लोगों ने हम्फ्री को बचाने में मदद की थी, वे भी आभारी महसूस कर रहे थे. हम्फ्री ने उन्हें हंपबैक व्हेल के बारे में बहुत कुछ सिखाया था. वह उनकी अच्छी दोस्त भी बन गई थी. कई बार अपने कष्ट के दौरान, हम्फ्री अपनी पूंछ हिलाकर उन नावों को पलट सकती थी जो उसकी मदद करने की कोशिश कर रहे लोगों को ले जा रही थीं. लेकिन उसने ऐसा कभी नहीं किया. ऐसा लगता था कि वह समझती थी कि वे उसके दोस्त थे.

आखिरकार, दोपहर के बाद के कोहरे में, हम्फ्री गोल्डन गेट ब्रिज के नीचे तैरकर वापस समुद्र में चली गई.

हम्फ्री व्हेल ने अपना लक्ष हासिल कर लिया. वह आखिर में अपने घर पहुँच गई.

हम्फ्री के बारे में नोट्स

हम्फ्री हंपबैक व्हेल ने 10 अक्टूबर, 1985 को पहली बार सैन फ्रांसिस्को खाड़ी में प्रवेश किया. 26 दिनों तक, इस 45-फुट लंबी, 40-टन की विशालकाय जीव ने हर जगह लोगों के दिलों पर कब्जा कर लिया क्योंकि वह प्रशांत महासागर में वापस जाने का रास्ता खोजने की कोशिश कर रही थी.

1985 में हम्फ्री को बचाए जाने के बाद, वह अपने वार्षिक प्रवास के दौरान खाड़ी क्षेत्र का दौरा करती रही. उसे 1986 में फरालोन द्वीप के पास, और फिर 1988 में, बोडेगा खाड़ी के अंदर देखा गया. वैज्ञानिक उसके पृष्ठीय पंख और पूंछ के पंखों पर बने विशिष्ट चिह्नों से उसे पहचानने में सक्षम थे.

फिर 22 अक्टूबर, 1990 की सुबह, लोगों ने सैन फ्रांसिस्को खाड़ी में कैंडलस्टिक पार्क के पास उथले पानी में कीचड़ में एक हंपबैक व्हेल को देखा. उस दिन वैज्ञानिकों ने पुष्टि की कि उनकी पुरानी दोस्त हम्फ्री फिर से मुसीबत में थी. तीन दिनों तक, मरीन मैमल सेंटर और अमरीकी कोस्ट गार्ड के बचाव दल ने हम्फ्री को कीचड़ से निकालने की कोशिश की. आखिरकार, दूसरे दिन, उन्होंने उच्च ज्वार के समय उसके नीचे हवा भरी और उसे गहरे पानी में खींच लिया. गोल्डन गेट ब्रिज के नीचे प्रशांत महासागर की ओर जाने से पहले हम्फ्री ने एक और दिन सैन फ्रांसिस्को खाड़ी में तैराकी की ... वो एक बार फिर से आज़ाद थी.

फोटो मरीन मैमल सेंटर द्वारा प्रदान किए गए, जिसने 1985 और 1990 में हम्फ्री को बचाने के प्रयासों का नेतृत्व किया था.

SHAG SLOUGH
SACRAMENTO RIVER
SUISUN BAY
BENICIA
VALLEJO
MARTINEZ
SAN PABLO BAY
NOVATO
RICHMOND
RICHMOND-SAN RAFAEL BRIDGE
SAN RAFAEL
BERKELEY
OAKLAND
MILL VALLEY
SAUSALITO
BAY BRIDGE
GOLDEN GATE BRIDGE
SAN FRANCISCO
SAN LEANDRO
SAN BRUNO
AN FRANCISCO BAY
HAYWARD
SAN MATEO BRIDGE
PACIFICA
FREMONT
SAN MATEO
FARALLON ISLANDS
PACIFIC OCEAN
DUMBARTON BRIDGE
REDWOOD CITY
SAN JOSE